



राष्ट्रदूत

Rashtrdoot

Metro

**Bombay's David Sassoon
With A Big Heart**

Disturbed by the Ottoman clampdown on Jews, the Sassoons made large financial contributions to help those who were forced to flee.

**World Gulab
Jamun Day**

**Why Are Some TV
Shows and Movies
So Dark Now?**

हरियाणा के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत वहाँ क्या कर रहे थे, चुनाव के दौरान?

जब पार्टी के विद्रोही, हरियाणा में बगावत पर आमादा थे तो क्या इस वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने पार्टी के ज़मीनी हालात से हाईकमान को अवगत कराया था

-रेणु मिश्र-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। यह प्रश्न नई दिल्ली से चंडीगढ़ और जयपुर तक पूछा जा रहा है कि हरियाणा चुनाव के दौरान पार्टी के सामने आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिये, हरियाणा के लिये पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत आखिर क्या कर रहे थे। जब पार्टी महासचिव तथा हरियाणा प्रभारी बीमार थे तथा कोमा में थे, तो उस स्थिति में, विद्रोहियों, जो पार्टी को नुकसान पहुँचा रहे थे, को संभालने के लिये, उनसे निपटने के लिये पर्यवेक्षक क्या कर रहे थे, तथा जो कुछ कुछ ज़मीनी स्तर पर हो रहा था, नेतृत्व को उसकी क्या जानकारी दी जा रही थी?

अशोक गहलोत और अजय माकन जैसे पर्यवेक्षक कहीं भी दिखाई या सुनाई नहीं दे रहे थे। किसी को भी नहीं मालूम, कि वे क्या कर रहे थे।

क्या गहलोत केवल किसी पद की फिराक में थे ताकि वे दुनिया को दिखा

■ क्या अशोक गहलोत का हरियाणा जाने का मकसद केवल यह था कि जनता में यह मैसेज जाये कि वे पार्टी में अभी भी राजनीतिक दृष्टि से लुप्त नहीं हुए हैं, अभी भी अहमियत रखते हैं।

■ यह ही स्थिति, दूसरे पर्यवेक्षक अजय माकन की थी।

■ कुछ ऐसे ही सवाल के सी. वेणुगोपाल के बारे में पूछे जा रहे हैं। जैसा कि विदित ही है, वेणुगोपाल को राहुल गांधी ने अपनी "पावर ऑफ़ एटॉर्नी" दे रखी है, उन्होंने हरियाणा में पाँच टिकट दिलवाये थे तथा पाँचों उम्मीदवार वहाँ हारे।

■ अगर राहुल गांधी को पार्टी का सर्वोच्च नेता बने रहना है तो उन्हें अपने "घर" को संभालना होगा और उन सब पुराने लोगों को हटाना होगा जो आज के संदर्भ में मायने नहीं रखते और पार्टी के हित के खिलाफ काम कर रहे हैं। राहुल पार्टी का संचालन आउट सोर्स कर सकते हैं, अपने चादुकारों को, उन्हें "हैण्ड्स ऑन अप्रोच" अपनायी पड़ेगी तथा पार्टी की मैली राजनीति में अपने हाथ गंदे करने पड़ेंगे।

सकें कि उनका राजनैतिक अस्तित्व खत्म नहीं हुआ है?

और भूपिन्दर सिंह हूडा, जो उनके पुराने मित्र हैं, जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें क्या संरक्षण/प्रोत्साहन दिया जा रहा था।

वेणुगोपाल, राहुल गांधी द्वारा पावर ऑफ़ एटॉर्नी दे दिये जाने के कारण, पार्टी में सत्ता के एकमात्र केन्द्र बने हुये हैं। उन्होंने पाँच लोगों को टिकट दिये थे तथा वे सब के सब चुनाव हार गये। इनमें एक महिला भी शामिल है, जो उनके निकट मानी जाती हैं, वे चौथे नम्बर पर रही हैं।

इस बड़ी पराजय के बाद, राहुल को अपने घर को व्यवस्थित करने की जरूरत है तथा फालतू लोगों, भाजपा-एजेंटों, अक्षम लोगों को हटा देने की जरूरत है, जो पार्टी हित के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

अगर राहुल सर्वमान्य नेता बने रहना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी के जिम्मेदारी पूर्ण काम बाहर के लोगों तथा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



रतन टाटा नहीं रहे

मुंबई, 9 अक्टूबर। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया है। उन्होंने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त

■ टाटा समूह के चेयरमैन 86 वर्षीय रतन टाटा ने मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्री रतन टाटा जो एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। इससे पहले 7 अक्टूबर को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रतन टाटा ब्रीच कैन्डी अस्पताल की इंटेंसिव (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अप्रत्याशित हार के बाद अपमान के घाव भी मिल रहे हैं कांग्रेस को

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने कांग्रेस को आँखे दिखानी शुरू कर दी हैं

-श्रीनन्द झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इस समय कांग्रेस केवल भाजपा से मिले चुनावी आघात एवं जख्म से ही नहीं, बल्कि इंडिया ब्लाक के गठबंधन पार्टनरों से काफी हद तक अपमानित महसूस कर रही है।

हरियाणा में अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, भाजपा को सत्ता से हटा पाने की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कांग्रेस के असफल रहने के बाद, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने इस 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' के विरुद्ध बड़े बोल बोलने शुरू कर दिए हैं। अरविन्द केजरीवाल को आप ने घोषणा कर दी है कि वह आगामी दिल्ली चुनाव अपने बलबूते पर लड़ेगी। उधर, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. की गठबंधन पार्टनर शिव सेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में अत्यन्त कटु सम्पादकीय लिखा है। सम्पादकीय कांग्रेस की आलोचना करते हुये कहता है कि कांग्रेस ने "आन्तरिक अनबन" और अति आत्मविश्वास एवं अधिकार मान लेने की भवना" के फलस्वरूप, हरियाणा की स्पष्ट एवं सहज जीत का अवसर गँवा दिया है। उद्भव टाकरे एम.वी.ए. के दोनों पार्टनरों पर दबाव बनाये हुये हैं कि

■ लोकसभा चुनावों के अच्चे प्रदर्शन और फिर राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद कांग्रेस फूलती नहीं समा रही थी तथा सहयोगी दल कुछ शांत से थे। हरियाणा चुनावों की हार से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को कांग्रेस पर उंगली उठाने का मौका मिल गया है।

■ आप ने कह दिया है कि वो दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं सपा ने भी यू.पी. की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए 6 सीटों पर प्रत्याशियों की एकतरफा घोषणा कर दी।

■ महाराष्ट्र में उद्भव टाकरे की शिव सेना ने अपने मुख पत्र सामना के संपादकीय में कांग्रेस की कड़ी आलोचना की।

महाराष्ट्र के चुनावों से पहले मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया जाये। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस नेताओं से चर्चा किये बिना ही, इसी साल होने वाले 10 विधानसभा उपचुनावों की 10 में से 6 सीटों के लिये उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। आठ अक्टूबर को हुई चुनाव परिणामों की घोषणा को एक दिन भी नहीं हुआ, और घटनाक्रम ऐसे संकेत देने लगा है कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को हुआ लाभ, तथा उसके बाद, राहुल गांधी का नेता, प्रतिपक्ष बनना, इन

दोनों ही उपलब्धियों का महत्व अब कम होने लगा है। इस अर्थ में, कांग्रेस की हरियाणा में हुई हार कांग्रेस के लिये राष्ट्रव्यापी महत्व रखती है तथा यह हार इस सोच को भी मजबूत कर रही है कि कांग्रेस जीती हुई लड़ाई भी हार जाती है। जम्मू-कश्मीर में इंडिया ब्लाक की निर्णायक जीत का जिक्र करते हुये, "सामना" के सम्पादकीय में कहा गया है कि आप जैसे मित्र दलों से परामर्श न करना, हरियाणा में कांग्रेस के लिये महंगा साबित हुआ है। जहाँ तक आप नेताओं (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभी नहीं तो कभी नहीं

इस दिवाली महिंद्रा बोलेरो के शानदार
ऑफर्स का लाभ उठायें

₹ 103 700.00*

तक के अधिकतम लाभ

को.एस. मोटर्स प्रा. लि.: एम. आई. रोड: 7574808728, वैशाली नगर: 07942530977, वी.के.आई. रोड नं 5: 9783384408, (ब्रांच): - कोटपुतली: 8852884871, 9166409090, शाहपुरा: 9001238949, 9461671901, लालसोट: 9414570752, महुआ: 9829552732, बस्सी: 7574808728, दूद: 9929236333, विराटनगर: 9929373114, बांदीकई: 9414517132, जोबनेर: 8094582000, जैतपुरा: 9460466992, 9828150910, दौसा: 8233279427, 9414045855, जयपुर: ऑटो वर्ल्ड टॉक रोड, प्रतापनगर: 8929653907, राजापाक: 8929653907, (ब्रांच): - सर्वाइमाधोपुर: 8929653907, गंगापुरसिटी: 8929653907, टोंक: 8929653907, अलवर: जे.एस. फोरवर्ड मोटर्स प्रा. लि. अलवर, बहरोड़, करौली: 8302658892, भिवाड़ी: 9289464947, धौलपुर/भरतपुर: 9625374409, सीकर: गहलोत मोटर्स प्रा. लि. सीकर: 9414039978, 9983086958, श्रीमाधोपुर: 7412074594, झुंझुनू: 9414059948, उदयपुरवादी: 9414039952, चिडावा: 7412049988, खेतड़ी: 9983560927, नीम का थाना: 9414033482, बीकानेर: बीकानेर मोटर्स प्रा. लि. बीकानेर/चूरू/सुजानगर: 8527241179, उदयपुर: के.एस. ऑटोमोबाइल्स प्रा. लि. उदयपुर: 7574808555, आईओसी पेट्रोल पम्प, गोवर्धन विलास, उदयपुर: 9001317899, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, बांसवाड़ा: 7727011069, 9773316278, 9773318630, 9773326964, 9950207844, झुंझुनू: 9001297956, 8233009909, सागवाड़ा: 7726006927, 9929958164, चित्तौड़गढ़: 8003093548, 8233009810, 9001799790, 9773396753, 9116629684, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, रावतभाटा: 8233009810, आबूरोड़: 9116504111, 9928040209, सिराही: 9929958177, 7727083939, 8529080964, भीलवाड़ा: भीलवाड़ा एग्री ऑटो सर्विस (प्रा.) लि. 7291983310, 9413385702, डीडवाना: 7291983310, 9829146228, छटी खाटू: 8239343536, लाडनू: 7291983310, 9314014841, गंगानगर: वी. डी. मोटर्स प्रा. लि. श्रीगंगानगर: 9672078696, 9672078697, 9414093025, 9414093041, सुरतगढ़: 9672064445, 9414093016, अनूपगढ़: 9414093027, हनुमानगढ़: 9214093020, 9672064447, 9672058887, नोहर: 9672028885, जोधपुर: ऑ. एस. मोटर्स जोधपुर: 9413078666, 7791960164, बाड़मेर: 7023067805, बालोतरा: 9664251725, जैसलमेर: 7340105190, फलोदी: 9413660844, पाली: 9610078677, सुमेरुपुर: 9784839760, जालौर: 9772708668, भीनमाल: 9829809490, सांचौर: 9602664390, जैतारन: 9024835145, बासनी: 9829433352

#DELICACY

World Gulab Jamun Day

Mouthwatering spheres, dripping with sweetness-delightful treats that capture the essence of culinary indulgence and celebration.



World GulabJamun Day was established with the purpose of showing appreciation for this amazing dessert and celebrating the beautiful and rich flavors that it offers to the world!

Originating in the Indian subcontinent, gulabjamun is a sweet dessert that is now popular all throughout India, Pakistan, Nepal, Bangladesh and many other people with a heritage from South Asia. In many traditions, this delightful food may be served at festivals, holidays and other important celebrations. But this day is all about celebrating this favorite dessert in its own right!

The name gulabjamun means "rose water berry" or "rose berry" and it is made from milk solids that are reduced into a soft dough and then fried. The dough balls are soaked in a rose flavored syrup that is sticky and sugary, then the sweet dish is sometimes given a garnish of nuts, like cashews or almonds before serving. The taste and fragrance of gulabjamun are subtle and enjoyable.



Celebrate World GulabJamun Day

It's easy to get those taste buds on board with celebrating World GulabJamun Day including some of these ideas:

Eat GulabJamun

Obviously, the first order of business on World GulabJamun Day is to find a restaurant or bakery that serves this dish and then order some. Whether enjoyed hot or served cold, this sweet dish can be enjoyed dunked in plenty of syrup. Those who want to enjoy gulabjamun at

home in honor of this celebration can likely find an option for pre-made frozen or refrigerated desserts that can be cooked and eaten by the whole family - or even the whole neighborhood! Because, of course, gulabjamun is best enjoyed when shared with anyone and everyone.

Try Making GulabJamun at Home

Those who are diehard cooks or people who are just looking for a culinary challenge might want to try making this delicacy at home in honor of National GulabJamun Day. Many modern day recipes use milk powder to create the dough balls, but it can also be made with

khoya, made from dry evaporated milk solids. Other ingredients may include flour, ghee, curd, and baking soda, as well as oil to fry the dough balls in. The sugar syrup is made from sugar, water, rose water and flavored with spicy cardamom pods. Check out some online recipes to find out more!

Get Creative with GulabJamun Variations

While gulabjamun is a delicious dessert that can certainly be enjoyed in its own basic style, some chefs and culinary creatives like to get more adventurous in their kitchens. This dessert flavored with rose water syrup has all sorts of

ways that it can be nuanced and complemented with different flavors for people of different tastes. Other creative dishes that can be made from gulabjamun may include cheesecake, cupcakes, tarts, custards and so much more!



Djemal Pasha who ordered the expulsion.



Refugee jews.



Bombay's David Sassoon With A Big Heart.

Bombay's David Sassoon With A Big Heart

"Djemal Pasha openly declared that the joy of the Jews on the approach of the British forces would be short lived, as he would make them share the fate of the Armenians," the newspaper said. This was obviously a reference to the Ottoman genocide of Armenians, in which one million are said to have died.

#GIVING



Ajay Kamalakar

In early 1917, most members of Bombay's financial elite would have felt the horrors of the Great War unfolding a world away. After three years, the tide was turning in favour of Britain and its allies, but the human cost it exacted was heavy. In Bombay, all trading communities kept a close watch on the war, but the one that lost sleep over it was the city's Baghdadi Jews. Many members of this community had strong family connections to the area that was the theatre of bloody battles between British forces and the Ottoman Army.

By the end of April, telegrams and distress calls from Jews in West Asia were pouring into Bombay. A series of reports appeared in the international media, confirming the worst fears of Bombay's Jews - that the Ottoman Empire had turned on their brethren in West Asia.

An article in the May 9 issue of The Manchester Guardian described how Jews were expelled from the city of Jaffa. "On April 1, all Jews were ordered to leave the town within 48 hours," the newspaper said. "No means of transport were provided or obtainable; fares reached fabulous prices, 100 to 200 francs were charged for a carriage from Jaffa to Petah Tikwah (a distance of about nine miles), instead of the normal fare of about 15 to 25 francs." A week before this, 300 Jews were forced to leave Jerusalem.

Although the Ottoman authorities claimed the entire civilian population of Jaffa was evacuated, the Muslims and Christians of the town were allowed to live in nearby villages and visit the city and access their property. No such privilege was extended to the Jews.

The Guardian laid the blame for the evictions on Ahmed



David Sassoon (seated) with his sons.

ery disease (stop) Masses young Jerusalem Jews deported northwards - destination unknown forcible evacuation of colonies imminent."

The telegram - signed by Jack Mosseri, P Pascal and Waitz Alexander - requested the Sassoons to "remit funds immediately". The Sassoons were a wealthy business family with a multinational empire that stretched from Europe to West Asia to China besides India. Their patriarch, David Sassoon, was born in Baghdad in 1792 and had moved to Bombay in the 1830s. The family had a strong philanthropic streak that made it contribute generously to diverse causes, with the result that its name can still be spotted at docks, educational institutions and a library in Mumbai.

Even before the telegram from Cairo arrived, the family had been informed about the disturbances in Palestine by friends and relatives in Baghdad. Concerned about the plight of fellow Jews, the Sassoons sprang into action. Their first step was to arrange funds to be sent to Baghdad (then spelled Bagdad). The city was wrested from Ottoman control by the British using largely Indian troops in March 1917, and was a safe space for Jews in West Asia. Around 80,000 Jewish residents lived in the city, comprising more than a third of its population. Its

Special committees were formed by the Jewish diaspora to reach out to wealthy members of the community in Asia and Europe to help the evicted Jews of Jaffa and Jerusalem. "Please communicate following message to Sassoon, Bombay," a telegram from Cairo said. "During Passover entire Jewish population Jaffa expelled towards north homes property sacked population in flight robbed connivance Turkish authorities Jews resisting pillage hanged (stop) Thousands wandering helplessly on roads starving over-crowding colonies increasing mis-

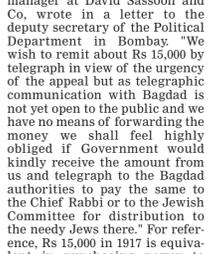
chief rabbi was leading the relief efforts for Jews from Palestine, and the Sassoon family wanted to send money to him from Bombay. "We have the honour to inform you that we have received an appeal from Bagdad for pecuniary help for the Jews who have suffered from the effects of the war," Nissim, a manager at David Sassoon and Co, wrote in a letter to the deputy secretary of the Political Department in Bombay. "We wish to remit about Rs 15,000 by telegraph in view of the urgency of the appeal but as telegraphic communication with Bagdad is not yet open to the public and we have no means of forwarding the money we shall feel highly obliged if Government would kindly receive the amount from us and telegraph to the Bagdad authorities to pay the same to the Chief Rabbi or to the Jewish Committee for distribution to the needy Jews there." For reference, Rs 15,000 in 1917 is equivalent in purchasing power to about Rs 90 lakh in 2023.



Kinnet cemetery the graves of the unknown sufferers.

By the end of the First World War, the Ottomans were driven out of the Levant, and in 1920, Mandatory Palestine was established by the British. The Indian Archives contain a wealth of information about Jews.

Some Jews who were driven out of Jaffa and Jerusalem managed to find their way back after the establishment of the British mandate. The financial help from the Sassoons went a long way in sustaining them during the dark period at the closing stages of the First World War.



The deportation.

This Sassoons' proposal was accepted since the British authorities in India had a good relationship with the family and seemed to be favourably inclined towards Jewish people. Once the money was sent to the authorities, the Accountant General in Bombay made arrangements for it to be remitted to the British Political Resident in the Persian Gulf, Percy Cox, who was in Basra at the time.

Second contribution

As tensions grew in Ottoman Palestine over a British advance, the Sassoons continued to get reports of Jews being forced out of their homes. This prompted them to once again approach the British authorities for a contribution.

Some Jews who were driven out of Jaffa and Jerusalem managed to find their way back after the establishment of the British mandate. The financial help from the Sassoons went a long way in sustaining them during the dark period at the closing stages of the First World War.

Some Jews who were driven out of Jaffa and Jerusalem managed to find their way back after the establishment of the British mandate. The financial help from the Sassoons went a long way in sustaining them during the dark period at the closing stages of the First World War.



The deportation.

By Rick Kirkman & Jerry Scott

BABY BLUES



ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

#TECHNOLOGY

Why Are Some TV Shows and Movies So Dark Now?

Display technology now allows for some extremely dark scenes to be captured and reproduced.

The topic of why some shows and movies have scenes of such utter darkness in them is a complicated one. The most direct answer is that camera and display technology has improved so much that it now allows for these extremely dark scenes to be captured and reproduced. Since creators have been given these tools, they're using them with artistic intent. Where before scenes would be lit using bright studio lighting on a sound stage or even on location, now they can just dial up the sensitivity to increase levels without worrying about grainy noise ruining the shot.



On the display side of things, HDR (High Dynamic Range) televisions are now common, and these displays push the upper and lower limits of brightness and darkness way beyond what's been possible before. The old dynamic range is now known as SDR or Standard Dynamic Range. This technology is also commonplace in cinemas, and in the case of movies in particular, they are shot, lit, and colour-graded for these new cinema projectors. On the TV side of things, most creators are probably a little more conservative, but a few, especially in prestige television circles, are pushing things to the allowable limit without concern about the average person's viewing setup. So they do it because they can and because the technology is there to allow for us to enjoy it, but if you're still left in the dark by this new frontier in filmmaking, there are a few things you can do to lighten the situation.

Calibrate Your TV

To get the best out of your TV, it's essential that you calibrate it. While some degree of calibration can be done in the factory, to get it right, it has to be done in the conditions where the TV will actually be used. If you have a recent

iPhone and Apple TV, you can use the iPhone's camera to calibrate the picture output for your Apple TV. This doesn't calibrate the TV as a whole, but it can make a big difference to the shows or movies you're watching on your Apple TV.

Adjust Contrast, Brightness, Gamma, and Backlighting

Your TV has settings that can improve image reproduction in dark scenes. Pause on the scene that's too dark for you to make out any details, and try adjusting the contrast, brightness, gamma, or backlight settings. Each of these has its own pros and cons, but

adjusting each one a little can tease out details from dark scenes you might otherwise miss. How well these settings work depends entirely on the TV model you're using, so don't be afraid to experiment, writing down the original settings first in case you decide to reset.

Enable HDR

If you have an HDR TV and you're watching a film made with HDR in mind, it's important to make sure HDR is actually active. This means checking that it's enabled on your TV and any connected device like an Apple TV or Amazon Fire Stick. It's also worth checking that your HDMI cable is certified for HDR, since some older HDMI cable standards may not carry HDR signals, especially not at 4K.

Change Picture Mode

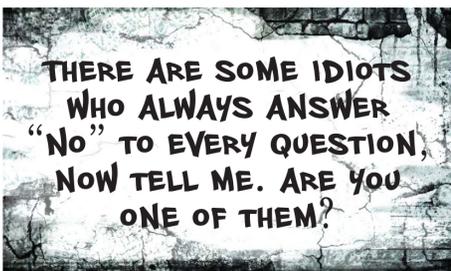
Most modern TVs have several "picture modes" which are just combinations of settings tuned for specific kinds of content. For example, you may have ones for movies, sports, games, and so on. Try flipping between these picture modes to see if there are any good for elevating detail in dark scenes.

Disable Power Saving

If your TV has any power-saving features active, turn them all off to see if his helps. Power saving modes don't just reduce brightness, they may also reduce the panel's performance in other areas, as well as the amount of post-processing that's done to optimize the image.



THE WALL



एशियाई टे टे चैंपियनशिप : भारतीय पुरुष टीम ने लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया, महिला टीम को कांस्य

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा पदक पकवा कर लिया। पुरुषों की टीम स्पर्धा में पदक तब सुनिश्चित हुआ जब महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से हार गई और उसे पहली बार कांस्य पदक मिला। पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमैंको को 3-0 (11-9, 11-7, 11-6) से हराकर उलटफेर किया। कजाखस्तान के एलन कुरमंगालियेव (विश्व रैंकिंग 183) ने अपनी टीम को वापसी दिलाते हुए हरमीत देसाई को 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) से हराया और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया। भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनुभव शर्मा और कमल ने तीसरे मैच में एंडोस



केंजिगुलोव को 3-0 (11-4, 11-7, 12-10) से आसानी से हराया और भारत की बढ़त 2-1 हो गई। हरमीत ने चौथे मैच में गेरासिमैंको को हराकर भारत की जीत तय की। अस्थिर शुरुआत के बाद विश्व के 91वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने अपने पैर जमाए। उन्होंने दूसरे और चौथे गेम जीते

चैंपियनशिप में अपना सातवां पदक सुनिश्चित किया। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे और जापान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा। इससे पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने यहाँ कांस्य पदक जीता जो इस स्पर्धा में उनका पहला पदक है। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जापान ने 3-1 से हराया था। भारत की अग्रणी मुखर्जी ने जापान की मिवा हरीमोतो को कड़ी टक्कर दी लेकिन 8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11 से हार गई। वहीं मनिाका बत्रा ने सत्सुकी ओडो को दूसरे मैच में 11-6, 11-5, 11-8 से हराया। अगले मैच में सुतीशी मुखर्जी के खिलाफ जापान की मिमा इतो ने 11-9, 11-4, 15-13 से जीत दर्ज की। मिमा ने इसके बाद मनिाका को 11-6, 6-11, 11-2, 11-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

आईसीसी की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में अर्शदीप सिंह ने पहली बार टॉप-10 में जगह बनाई

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को न्यालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वह 64.2 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकोल हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, "ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 20-1 की रेटिंग का अडपेट को गी गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।" बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए। इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशवी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया। जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी : वी पोलो और आरपीसी/कैवेलरी के बीच मैच आज

जयपुर, 9 अक्टूबर। स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी (08 गोल) ट्रॉफी में रामबाग पोलो मैदान पर वी पोलो और आरपीसी/कैवेलरी के बीच शाम 4.30 बजे मैच खेला जाएगा। वी पोलो टीम की ओर से निमित मेहता, गौरव सहलाल, अंगद कलान, गेराडो माजिनी खेलेंगे वहीं आरपीसी/कैवेलरी में कैप्टन एआरएस वारिच, लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान, रणशेय पुरोहित, गोंजालो यनजोन खेलेंगे।

डीपीएल में वाटिका की धमाकेदार जीत

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। डीएसए प्रीमियर लीग में बुधवार को पहली लीग की विजेता वाटिका एफसी ने पिछड़ने के बाद फ्रेंड्स यूनाइटेड को छकाते हुए 2-1 की रोमांचक जीत दर्ज की। आज यहां अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गये इस मैच में विजेता वाटिका एफसी के लिए कुशाग्र कक्कड़ और अभिषेक बाक्सला ने दमदार गोल जमाए। वहीं दिन के पहले मुकाबले में सीआईएसएफ ने सुदेवा एफसी को गोल शून्य बराबरी पर रोक कर अंक बांटे।

स्टेट स्नूकर में अमित जैन, दीपक करवा, शंटी सेमीफाइनल में

जयपुर, 9 अक्टूबर। स्मृती श्री मुरारी मेघानी स्मृति स्टेट स्नूकर चैंपियनशिप में आज अमित जैन, दीपक करवा, शंटी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं अजमेर के आशिष कामरान ने प्री क्वार्टर फाइनल में सीरज जोशरी को 69-0, 68-3, 23-55, 66-20, 66-11 के संघर्षपूर्ण मैच में, हरा क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया वहीं धीरज नाचनी ने मोहम्मद यूसुफ को 51-45, 70-20, 45-56 72-48 से हराया दीपक करवा ने प्री क्वार्टर फाइनल में निपुण तोमर को 71-56, 87-18, 85-50 से हराया। आयोजन सचिव कुणाल मनचंदा के अनुसार आज खेले गए क्वार्टर फाइनल में शंटी ने डॉक्टर धीरज को अमित जैन ने आदित्य गोरया को और दीपक करवा ने धीरज नाचनी को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बुमराह को पछाड़ सकते हैं वे दो खिलाड़ी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत-बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को खेला जाएगा। ग्वालियर में पहला मैच जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। हालांकि, अरुण जेटली स्टेडियम में उसे 7 साल से जीत का इंतजार है। बांग्लादेश ने भारत के केवल एक टी20 में हराया है। उसे जीत दिल्ली में ही मिली थी। इस जीत को भले ही 5 साल हो गया हो, लेकिन नजमुल हसन शंतो की टीम वापसी करना चाहेगी। ग्वालियर में भारत के लिए अर्शदीप सिंह का प्रदर्शन अच्छा रहा था। उन्होंने 3 विकेट लिए थे। हार्दिक पंड्या ने गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। 16 गेंद पर 39 रन ठोके थे और 1 विकेट लिया था। अर्शदीप और हार्दिक के पास टी20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ने का मौका है। हार्दिक 86 विकेट हैं। वहीं, अर्शदीप के 82 विकेट हैं।

भारत ने 86 रन से जीता दूसरा टी-20

नीतीश रेड्डी ने 74 रन बनाए और 2 विकेट भी लिये, बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से भारत आगे



नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारत ने नई दिल्ली में बांग्लादेश को 86 रन से दूसरा टी-20 हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 221 रन बनाए। जबकि बांग्लादेश 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सका। भारत से नीतीश रेड्डी ने 14 और नजमुल हुसैन शान्तो ने 11 रन बनाए। बाकी बैटर्स 10 रन से ज्यादा का आंकड़ा भी नहीं छू सके। भारत से नीतीश रेड्डी और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट लिए। बांग्लादेश से महमदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। दूसरा मुकाबला जीतकर भारत ने 3 टी-20 की सीरीज में 2-0 की अजेय

महिला टी-20 विश्वकप : द. अफ्रीका ने स्कॉटलैंड को 80 रनों से हराया

दुबई, 9 अक्टूबर। मैरीजान कप (43), तेज़मिन ब्रिट्स (43) और लारा तुलफार्ट (40) रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के मदद पर दक्षिण अफ्रीका ने ह्यू बुधवार को महिला टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 80 रनों से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दी। कप्तान लारा तुलफार्ट ने 27 गेंदों में पांच चौकों एवं एक छक्के की मदद से (40) रन बनाए जबकि तेज़मिन ब्रिट्स ने 35 गेंदों का सामना कर पांच चौकों एवं एक छक्के की मदद से (43) रनों का योगदान दिया। तुलफार्ट को फ्रेजर ने बेल के हाथों कैच आउट कराया जबकि ब्रिट्स को बेल ने ब्राइस के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद मैरीजान कप ने 24 गेंदों में धुंआधार बल्लेबाजी करते हुए (43) रन बना दिए। कप ने इस दौरान छह चौके लगाए। कप को ब्राइस ने कार्टर के हाथों कैच आउट कराया। सुने लुस ने मैच के अंतिम क्षणों में ब्रिट्स का सामना करते हुए दो चौकों की मदद से (नाबाद 18) रन बनाए। अंतिम साक्ष अनरी डर्कसन एक रन बनाकर नाबाद रही। स्कॉटलैंड की ओर से स्लेटर, ब्राइस, बेल, फ्रेजर एवं कार्टर ने एक-एक विकेट



लिया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने केवल दो बल्लेबाज एयलसा लिस्टर (12) एवं कैथरीन फ्रेजर (14) दहाई संख्या में पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए स्कॉटलैंड को पूरी टीम 17.5 ओवर में 86 पर समेट कर 80 रनों से मुकाबला जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से नोनकुललेको रत्नाब ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए जबकि क्लोई ट्राइऑन, रनडीन डी क्लर्क ने दो-दो तथा अयाबोंगा खाका, सुने लुस एवं अनरी डर्कसन ने एक-एक विकेट लिया।

14 अक्टूबर के बाद भारत-ए टीम का चयन

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। नवंबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होगा। इस ट्रॉफी में दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैच खेले जाएंगे जो की 22 नवंबर से शुरू होंगे। खबर के मुताबिक, भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए कम से कम दो सप्ताह पहले यानी नवंबर के पहले हफ्ते में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। दरअसल, राहुत शर्मा ब्रिगेड अपनी ए टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ एक या दो इंटा स्कॉड अभ्यास मैच खेलेंगी। बॉर्डर-गावस्कर

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल पाक में नहीं दुबई में होगा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होगा। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ-साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत ट्रॉफी में खेले जाने को लेकर मांग की है। वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने श्रीलंका को 82 रन से हराया

दुबई, 9 अक्टूबर। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में बुधवार को श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। टीम इंडिया ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। भारत ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 172 रन बनाए और श्रीलंका को 173 रन का टारगेट दिया। जबकि श्रीलंका की टीम 19.5 ओवर में 90 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत का 98 रन पर पहला विकेट गिरा। स्मृति मंधाना को कैचन और अट्टापट्टु ने रन आउट किया। वह 38 गेंदों में 50 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटी। भारत की ऑपनर शेफाली वर्मा भी आउट हो गईं हैं। उन्हें चामरी अट्टापट्टु ने गुणारत्ने के हाथों कैच कराया। वह 40 गेंदों में 43 रन बनाकर आउट हुईं। 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर उदेशिका प्रबोधानी ने अमा कंचना के हाथों कैच करा कर जेमिमा रोड्रिगज़ को पवेलियन भेजा।



अंडर-19 टीम : भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पारी, 120 रन से हराया और सीरीज भी जीती

चेन्नई, 9 अक्टूबर। अनमोलजीत सिंह (नौ विकेट) और मोहम्मद एनान (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने चार दिवसीय दूसरे टेस्ट मैच में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 277 पर समेटने के बाद उसे दूसरी पारी में 95 रन पर ढेर कर मुकाबला पारी और 120 से जीत लिया है। इसी के भारत ने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीत ली है। मैच में शानदार गेंदबाजी नौ विकेट लेने वाले अनमोलजीत सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। भारत की घातक गेंदबाजी का आलम यह था कि बुधवार को दिन ऑस्ट्रेलिया के रिकार्ड 17 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने कल के तीन विकेट पर 142 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट पर 208 के स्कोर पर ली यंग (66) के रूप में गिरा। यंग को अनमोलजीत ने बोल्ट आउट किया। इसके बाद क्रिश्चियन होवे (4) पर रनआउट हो गये। एडन ओकॉनर (18) को समर्थ नारायण ने अपना शिकार बनाया। इस दौरान कप्तान ऑलिवर फिक ने अपना शतक पूरा किया। ऑलिवर को अनमोलजीत ने बोल्ट आउट किया।

पाकिस्तान में 69 साल बाद विदेशी खिलाड़ी ने किया कमाल, हैरी ब्रूक ने जड़ा शतक का चौका

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। मुल्तान में खेला जा रहा पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट पाकिस्तान के हाथ से निकलता हुआ दिख रहा है। बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पाकिस्तान गेंदबाजों को दिन में तारे दिखा दिए हैं। वहीं पहले टेस्ट मैच में हैरी ब्रूक ने शतकीय पारी से रिकॉर्ड्स को लात लगाया दी है। ब्रूक ने न सिर्फ शतक लगाया बल्कि वह कारनामा कर दिखाया जो कि पिछले 69 सालों में किसी ने नहीं किया। हैरी ब्रूक ने मुल्तान टेस्ट के तीसरे दिन शतक जड़ा। तीसरे दिन स्टंप तक उन्होंने 173 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये हैरी ब्रूक का पाकिस्तान लगातार चौथे टेस्ट में शतक जमाया था। उन्होंने इससे पहले साल 2022 में कराची और मुल्तान में शतक ठोका था। हैरी ब्रूक का ये 6 पारियों में चौथा शतक है। वह पाकिस्तान के खिलाफ उसकी जमीन पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। वहीं पाकिस्तान के 69 साल के टेस्ट क्रिकेट में पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार आउट किया।



जो रूट ने जड़ा 35वां टेस्ट शतक, गावस्कर-लारा समेत चार खिलाड़ी को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मुल्तान में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट में खूब रन बने हैं, जहां पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए वहीं अब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने रन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बीच इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का बल्ला पाकिस्तान में भी खूब बोल रहा है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35वां शतक जड़ा है और अब वह टेस्ट क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार को बेहतरीन पारी खेलकर इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर और ब्रायन लारा समेत 4 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है।

